

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

माधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

Ħο 378]

मई बिल्ली, बुधवार, नवस्वर 23, 1977/प्रप्रहायरा 2, 1899

No. 376] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 23, 1977/AGRAHAYANA 2, 1899

इस आग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 23rd November 1977

G.S.R. 713 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No 136/85-Central Excises, dated the 20th August, 1965, namely—

In the said notification, the following proviso shall be inserted, namely -

"Provided that where a manufacturer manufactures such lead unwrought from lead ore concentrate in admixture with such scrap, only that quantity of the lead unwrought so manufactured, shall be exempt from duty as is in excess of the quantity determined in accordance with the following formula—

$$\left(DW \times \frac{1}{100} - \frac{10}{10}\right)$$

where,-

DW is the weight of dry lead one concertifte, and P is the number of parts (by weight) of lead in 100 parts of the div lead ore concentrate.

[No 327/77/F No 142/1 77-CX 4] L C MITTAL Dy Secy. वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

पधिसूचना

केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क

नई दिल्ली, 23 नगम्बर, 1977

सा० का० नि० 713(म).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की श्रिधिसूचना सं० 136/65-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 20 ग्रगस्त, 1965 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, श्रर्थात :—

उक्त प्रधिसूचना में, निम्नलिखित परन्तुक प्रन्त स्थापित किया जाएगा, प्रर्थात् ---

"परन्तु जहा विनिर्माता ऐसा ताड्य सीसा, सीसा श्रयस्क सान्द्र से ऐसी कतरन के साथ सम्मिश्रण करके विनिर्माण करता है वहां इस प्रकार विनिर्मित केवल ताड्य सीसे की उतनी मात्रा ही शुल्क से छूट प्राप्त होगी जो मात्रा निम्नलिखित फार्मूले के श्रनुसार श्रवधारित से श्रधिक हो .—

$$\left(\text{शुo सीo} \times \frac{\text{धा}}{100} \times \frac{9}{10} \right)$$

इस फार्मूले मे गु० सी० गुष्क सीसा श्रयस्क सान्द्र का भार है; श्रीर भा० गुष्क सीसा श्रयस्क सान्द्र के 100 भागों में से (भार के श्रनुसार) सीसे के भागों की सख्या है।"

> [स • 327/77/फा॰ सं॰ 142/1/77—सी एक्स० 4] एल० मी० मित्तल, उप-सम्बिव ।